i l foKfIr

;okvks dks jkekfpr dj jgk g iLrdks dk vkd"k k

<u>गोवा की महामहिम राज्यपाल, श्रीमती मृदुला सिन्हा सहित अनेक प्रमुख हस्तियों ने की शिरकत</u>

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का तीसरा दिन खासी चहल–पहल भरा रहा। सोमवार को कार्यदिवस होने पर भी सुबह से ही बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों की भीड़ देखकर इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि आज भी पुस्तकों के प्रति लोगों में ज़बर्दस्त आकर्षण बना हुआ है। पुस्तकों की चाहे कितनी ही नई तकनीकें क्यों न विकसित हो जाएँ, मुद्रित पुस्तकों का रोमांच सदैव कायम रहेगा। मेले के थीम पैवेलियन में बच्चों व युवाओं की भीड़ पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी उत्सुकता दर्शा रही है।

"मेरी पुस्तकों के शब्द, ज्ञान मुझे घुमक्कड़ी से मिले हैं।" ये विचार लेखक मंच पर आयोजित हुए पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में गोवा की महामहिम राज्यपाल, श्रीमती मृदुला सिन्हा ने व्यक्त किए। महिलाओं को दाल–चावल की जगह पुस्तक मेले में पुस्तकें ढोते देखना उनके लिए सुखद अनुभूति थी। इस अवसर पर श्रीमती मृदुला सिन्हा की पुस्तक 'सामाजिक सरोकार' के अंग्रेज़ी अनुवाद 'रिफ्लेक्शन'; डॉ. बल्देव भाई शर्मा की पुस्तक 'राष्ट्रीय चेतना के विविध आयाम'; डॉ. कमल किशोर गोयनका द्वारा लिखित पुस्तक 'अभिमन्यु अनत काव्य रचनावली'; श्री नंदकिशोर पाण्डेय की पुस्तक 'संत साहित्य की समझ' तथा श्री रमेश पतंगे की पुस्तक 'महामानव अब्राहम लिंकन' का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष, डॉ. बल्देव भाई शर्मा ने पुस्तक मेले की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए कहा कि ज्ञान पिपासा आज भी ज़िंदा है और ज्ञान कुंभ में डुबकी लगाकर लाखों पाठक लाभांवित हो रहे हैं।

आज विदेशी मंडप पर बने इवेंट्स कॉर्नर पर रायल कॉलिन्स पब्लिशिंग हाउस (कनाडा) द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें *डायनामिक्स ऑफ साईकोलॉजिकल गोल, बेल्ट एंड रोड, चीन में एचआईवी, आँकड़ों के पीछे का सच, चीन के आर्थिक विकास की गाथा, ए स्टडी ऑफ मोहिस्ट लॉजिक, चीन में उद्यम–विकास* और *कु योउ योउ* पुस्तकों का विमोचन हुआ। इस अवसर पर रायल कॉलिन्स के अंतरराष्ट्रीय तथा भारतीय निदेशक श्री बॉब तथा श्री मोहन कलसी के साथ–साथ पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस के निदेशक हो यांग, लिमूयीन, विचेन, प्रो. हू थिंगया, प्रो. चेंग यू जंग सहित कई चीनी लेखक एवं अनुवादक उपस्थित थे।

!khe e"i

आज इस मंडप पर दिल्ली थिएटर समूह के कुमार वीर भूषण तथा उनके समूह द्वारा *जीवन हमारा ज़िम्मेदारी हमारी* शीर्षक नुककड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसका निर्देशन बबलू झा ने किया तथा आयोजन बाबू शिवजी राय फाउंडेशन द्वारा किया गया। नाटक में कलाकारों ने पर्यावरण प्रदूषित होने के कारणों को नाटकीय रूप से प्रस्तुत किया।

#kk$ e"i

मेले में बच्चों के लिए बने रोमांचक बाल मंडप पर दिनभर बच्चों के विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें अनेक विद्यालयों तथा स्वयंसेवी संगठनों से आए बच्चों ने भाग लिया। आज इस मंडप पर एमिटी यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा 'यूथ पार्लियामेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने 'इंटरलिंकिंग ऑफ रिवर्स' विषय पर परस्पर संवाद किया। इस कार्यक्रम में एमिटी चिल्ड्रन साईंस फाउंडेशन की प्रमुख, डॉ. मधुफुल; एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरनमेंट साईंस के प्रोफेसर एंड डायरेक्टर, डॉ. तरुण जिंदल तथा एमिटी यूनिवर्सिटी प्रेस के कार्यकारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री रघुराम कृष्ण अय्यर उपस्थित थे। इसी मंडप पर जागो टीन्स द्वारा 'कठपुतली' कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को रेडियो एक्टिव रेडिएशन के बारे में बताया गया।

lkfgf%;d &frfof'k;k

मेले में हॉल सं. 11 में बने ऑथर्स कॉर्नर (रिफ्लेक्शंस) पर 'व्हाई सोसायटी नीड्स ऑर्गन डोनेशन' विषय पर आयोजित चर्चा में श्री अरुण आनंद द्वारा पाठकों को बताया गया कि मानव अंगों का दान कैसे, कहाँ और क्यों किया जाए, उन्होंने यह भी बताया कि अब तक लोग आँखें और रक्तदान किया करते थे और अब लोगों ने कैंसर के रोगियों के लिए बाल भी दान करना शुरू कर दिया है। इसी मंच पर 'नेचुरल हेल्थ एंड हीलिंग' नामक पुस्तक पर चर्चा करते हुए श्री कमल के. आनंद ने आज की जीवन शैली पर पाठकों से बातचीत की तथा अच्छे स्वास्थ्य हेतु सुझाव व दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। ऑथर्स कॉर्नर (कन्वर्सेशंस) पर पुस्तक परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें 'सुपर सिब्लिंग्स' पुस्तक की लेखिका, सुश्री प्राची गर्ग ने अपनी पुस्तक की विषय–वस्तु तथा इसे लिखने के लिए उनके परिवार द्वारा अभिप्रेरित किए जाने का उल्लेख किया।

u)h f*+$h ifrf$l;f'kdkj ep

आज पुस्तक मेले में नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मेले में 08 व 09 जनवरी, 2018 को किया जा रहा है। नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच (नई दिल्ली राइट्स टेबल) दो दिवसीय कार्यक्रम है जो भारत तथा विदेशों से आए प्रकाशकों, प्रतिलिप्यधिकार एजेंटों, अनुवादकों व संपादकों को व्यापार अवसरों का लाभ उठाने हेतु एक मंच प्रदान करता है। मेले में इस मंच द्वारा एक नवीन व्यावसायिक परिवेश में प्रकाशकों के बीच व्यापारिक–सत्र आयोजित कर उन्हें अपने अनुभव साझा करने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही, यह अद्वितीय प्रारूप प्रतिभागियों को अंग्रेजी, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध पुस्तकों के अनुवाद एवं अधिकारों के हस्तांतरण हेतु अपनी अभिरुचियों तथा समझौतों को प्रायोगिक तौर पर अंतिम रूप प्रदान करने के भी अवसर प्रदान कर रहा है। आज इस कार्यक्रम में भारत सहित ईरान, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, मिस्र, स्लोवेनिया, नेपाल, सऊदी अरब आदि देशों ने भाग लिया।